वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने संसाधनों में आत्मनिर्भरता, सरल नियमों और उद्यमियों पर अधिक भरोसे की अपील की

भास्कर समाचार सेवा

नई दिल्ली। बदलते वैश्विक भू-राजनीतिक हालात और चल रहे संघर्षों के कारण कमोडिटी बाजार और सप्लाई चेन पर प्रभाव पड़ रहा है, जिससे आयात पर अधिक निर्भरता के जोखिम सामने आ रहे हैं और महत्वपूर्ण संसाधनों में आत्मनिर्भरता की जरूरत और अधिक महसूस हो रही है। इसी संदर्भ में वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने Facebook पर एक विस्तृत पोस्ट साझा की है, जिसमें उन्होंने भारत के लिए कच्चे माल की सुरक्षा को मजबूत करने और महत्वपूर्ण वस्तुओं के आयात पर निर्भरता कम करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। अपने पोस्ट में उन्होंने भारत की मजबूत भू-वैज्ञानिक क्षमता का उल्लेख किया, खनिज, धातु और तेल उद्योग में अपने चार दशकों के

अनुभव को साझा किया, और घरेलू उत्पादन को बढ़ाने तथा दीर्घकालिक संसाधन आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए नीतिगत स्थिरता, सरल नियम और उद्यमियों को अधिक स्वतंत्रता देने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि यह देखकर दिल दुखता है कि एक ऐसी वार, जिससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है, उसकी कीमत भारत को raw materials की कमी के रूप में चुकानी पड़ रही है।